तीन बढ़िया आड़ू

एक फ़्रांसीसी लोककथा

तीन बढ़िया आड़ू

एक फ़्रांसीसी लोककथा

रूपांतरण : सिंथिया

चित्रण : इरीन त्रिवस

हिंदी : दीपक थानवी

बहुत समय पहले, एक दूर के राज्य में, एक लाल बालों वाली राजकुमारी रहती थी जिसके चेहरे पर हल्के भूरे रंग के धब्बे थे। वह दिल से दयालु और दिमाग से चतुर थी। एक शाम जब राजकुमारी बिस्तर पर सोने गई तब उसे तबियत ठीक नहीं लग रही थी , और अगली सुबह तो वह बिस्तर से उठ भी नहीं पा रही थी। उसके हाथ-पैर कमजोर थे; उसकी आवाज़ धीमी थी; यहाँ तक कि उसके बालों का रंग और चेहरे के धब्बे फीके पड़ने लगे थे।

राजा और रानी ने सभी शाही चिकित्सकों को राजकुमारी का इलाज करने के लिए बुलाया, लेकिन उनमें से कोई भी यह पता नहीं लगा सका कि उसे कौनसी बीमारी है। राजकुमारी के माता-पिता उसके पास में ही बैठे थे, इस डर से कि उसे कुछ हो न जाये। तब ही अचानक राजकुमारी अपनी धीमी आवाज़ में बोली, " यदि मुझे तीन बढ़िया आड़ू मिल जायें, तो मैं फिर से ठीक हो जाऊंगी। "

राजकुमारी के इन शब्दों को राज्य के दूर से दूर के कोने तक पहुँचा गया, और कई वफादार नागरिक अपने बेहतरीन आड़ू महल में ले गए। लेकिन, अफसोस, राजकुमारी को ठीक करने के लिए कोई भी आड़ू वैसा बढ़िया नहीं था जैसा उसने चाहा था।

जैसे ही उसकी बेटी मौत के करीब पहुँचने लगी, राजा हताश हो गया। उसने घोषणा की कि वह उस लड़के से अपनी बेटी की शादी करवाएगा जो उन तीन बढ़िया आड़ूओं को ढूंढकर लाएगा जिसे खाकर उसकी बेटी फिर से ठीक हो सके। (उन दिनों पिता विशेषकर राजा ऐसी बातों का वादा कर सकते थे।)

महल के द्वार पर राज्य के सभी युवाओं की भीड़ अपनी-अपनी टोकरी में आड़ू लिए एक पंक्ति में खड़ी थी, क्योंकि वे सभी राजकुमारी को जानते थे, और वे सभी उससे शादी करना चाहते थे।

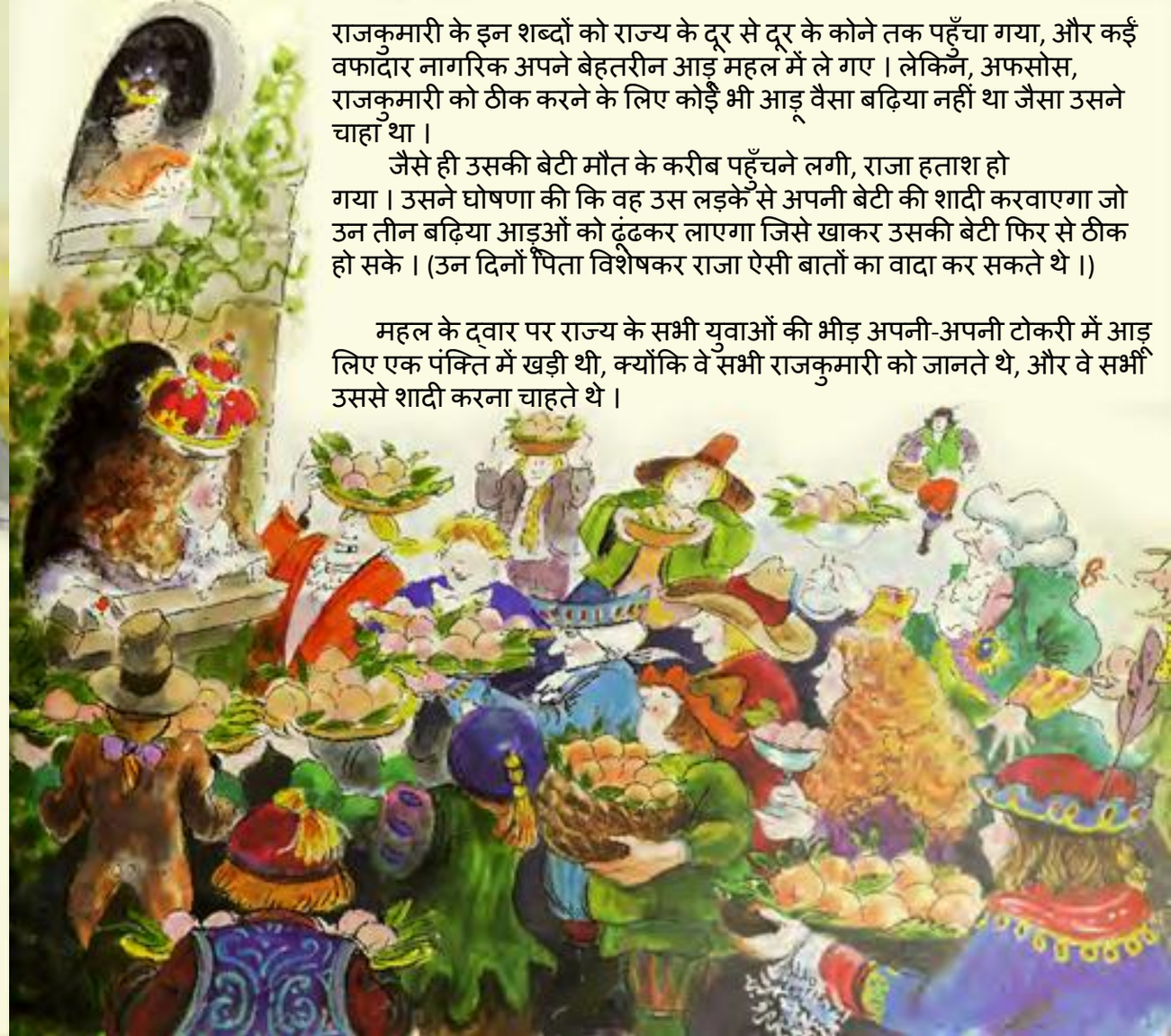

राज्य से कुछ दूर तीन भाई रहते थे जिनके पास एक आड़ का पेड़ था । जब राजा की घोषणा की बात उन्हें पता चली, तो उन्होंने भी राजकुमारी का इलाज करने के लिए अपनी किस्मत आजमानी चाही । सबसे पहले बड़ा भाई आड़ के पेड़ के पास गया, डाली से तीन बढ़िया आड़ निकाले और शाही महल जाने के लिए निकल पड़ा । जब वह बहुत दूर नहीं गया था तब सड़क के किनारे उसने किसी बूढ़ी औरत को देखा । उसने अपने जीवन में उसे पहले कभी नहीं देखा था, लेकिन उस बूढ़ी औरत ने उसे रोक दिया और कहा, "मुझे बताओ, बच्चे, तुम्हारी टोकरी में क्या है ?"

सबसे बड़े भाई ने बूढ़ी औरत को घृणापूर्वक देखा और अशिष्टता से कहा, " मैं तुम जैसी बड़ी नाक वाली बूढ़ी से बात करके खुद को परेशानी में क्यों डालूँ ? लेकिन फिर भी तुमको पता होना चाहिए कि मेरी टोकरी में कुछ भी नहीं है, सिवाय खरगोश की गोबर के ।" "बहुत अच्छा," बूढ़ी औरत ने कहा । "खरगोश की गोबर है, ठीक है ।"

वे दोनों अपने-अपने रास्ते चल दिए । जब सबसे बड़ा भाई महल में पहुँचा, वह प्रवेश द्वार की तरफ आगे बढ़ा और फिर वह राजकुमारी को देखने के लिए अंदर ले जाया गया । वह राजकुमारी के बिस्तर की तरफ बढ़ा और उसने अपने आड़ुओं को पेश करने के लिए अपनी टोकरी खोल दी । लेकिन, आश्चर्य से, अंदर केवल खरगोश का गोबर था ! सबसे बड़े भाई को पहरेदारों ने पकड़ लिया, ज़ोर से पिटाई की और अपमानित कर उसे अपने घर भेज दिया ।

अगली सुबह बीच वाला भाई आड़ू के पेड़ के पास गया, डाली से तीन सुंदर पके हुए आड़ू निकाले और शाही महल जाने के लिए निकल पड़ा । जब वह बहुत दूर नहीं गया था तब वह सड़क के किनारे उसी बूढ़ी औरत से मिला । बूढ़ी औरत ने कहा, "मुझे बताओ, बच्चे, तुम्हारी टोकरी में क्या है ?" बीच वाले भाई ने बूढ़ी औरत की तरफ देखा और कहा, " नहीं, तुम तो, वही बड़ी नाक वाली बूढ़ी हो न ? फिर भी मैं तुम्हे बताता हूँ कि मेरी टोकरी में घोड़े की खाद के अलावा कुछ नहीं है । "

"बहुत अच्छा," बूढ़ी औरत ने कहा । "घोड़े की खाद है, ठीक है ।" वे दोनों अपने-अपने रास्ते चल दिए । जब बीच का भाई महल में पहुँचा, वह प्रवेश द्वार की तरफ आगे बढ़ा और फिर वह राजकुमारी को देखने के लिए अंदर ले जाया गया । वह राजकुमारी के बिस्तर की तरफ बढ़ा और उसने अपने आड़ुओं को पेश करने के लिए अपनी टोकरी खोल दी । लेकिन,आश्चर्ये से, अंदर घोड़े की खाद के अलावा कुछ नहीं ! बीच वाले भाई को पहरेदारों ने पकड़ लिया, ज़ोर से पिटाई की और अपमानित कर उसे अपने घर भेज दिया ।

सबसे कम उम्र वाले लड़के ने अपने बड़े भाइयों द्वारा बताए गए किस्सों को ध्यान से सुना । तीसरे दिन की सुबह, वह आड़ के पेड़ के पास गया और तीन नहीं, बल्कि डाली से चार प्यारे पके हुए आड़ निकाले और महल जाने के लिए निकल पड़ा । जब वह दूर नहीं गया था तब वह सड़क के किनारे उसी बूढ़ी औरत से मिला । बूढ़ी औरत ने उसे रोका और कहा, "मुझे बताओ, बच्चे, तुम्हारी टोकरी में क्या है ?"

सबसे छोटे भाई ने विनम्रतापूर्वक अपनी टोपी के अगले सिरे को पकड़कर अपना सिर झुकाया और अभिवादन किया और बोला, "मेरे पास बढ़िया आड़ू हैं, और मैं राजकुमारी से शादी करने जा रहा हूँ ।"
"बहुत अच्छा," बूढ़ी औरत ने कहा । "बढ़िया आड़ू हैं, ठीक है ।" सबसे छोटे भाई ने अपनी टोकरी खोली, एक आड़ू निकाला, और पूछा, "क्या आप यह लेना चाहेंगी ?"

बुढ़िया ने आड़ लिया । "तुम्हारी इस दया के बदले में," उसने कहा, "मैं तुम्हें यह देना चाहूंगी ।" उसने सबसे छोटे भाई को चांदी की एक सीटी दी । "यदि तुम कभी भी कुछ भी चाहो, कुछ भी, बस इस सीटी को बजाना और इच्छा करना, फिर जो तुम चाहते हो वह तुम्हारे पास खुद आ जायेगी । और अगर तुम कभी सीटी खो देते हो, तो बस अपने हाथों से तीन बार ताली बजाना, और यह सीटी तुम्हारी जेब में वापस आ जाएगी । "

"धन्यवाद," सबसे छोटे भाई ने कहा, और वे दोनों अपने-अपने रास्ते चल दिए । जब लड़का (छोटा भाई) महल में पहुँचा, वह प्रवेश द्वार की तरफ आगे बढ़ा और फिर वह राजकुमारी को देखने के लिए अंदर ले जाया गया ।

वह राजकुमारी के बिस्तर की तरफ बढ़ा और उसने अपने आड़ूओं को पेश करने के लिए अपनी टोकरी खोल दी ।

जब राजकुमारी ने उसके आड़ देखे, तो वह बिस्तर पर बैठ गई। पहले आड़ की पहली फांक खाते ही , उसके गाल पर धब्बे लौट आए। दूसरे आड़ की पहली फांक खाते ही, उसके बाल लाल रंग से चमकने लगे। तीसरे आड़ की पहली फांक खाते ही, वह बिस्तर से झट से उठ खड़ी हुई और नाचने लग गयी !

राजा वास्तव में अपनी बेटी के ठीक हो जाने पर प्रसन्न था। लेकिन खुशी मनाने के बाद, राजा ने मैले कपड़े पहने हुए गरीब लड़के की ओर देखा। उसने सोचा कि मुझे ऐसा रास्ता ढूंढना चाहिए जिससे मेरा वचन न टूटे और मेरी बेटी की उस गरीब लड़के से शादी भी न हो।

राजा ने सबसे छोटे भाई से कहा, "तुमने राजकुमारी को ठीक कर दिया है और तुम उससे शादी कर सकते हो। मैं अपने वचन का पालन करता हूँ। लेकिन पहले तुम्हें इसके लिए अपनी योग्यता साबित करनी होगी। मेरे पास एक सौ खरगोशों का झुंड है। अगर तुम उन्हें सफलतापूर्वक सम्हाल लोगे, तब तुम मेरी बेटी से शादी कर सकते हो।"

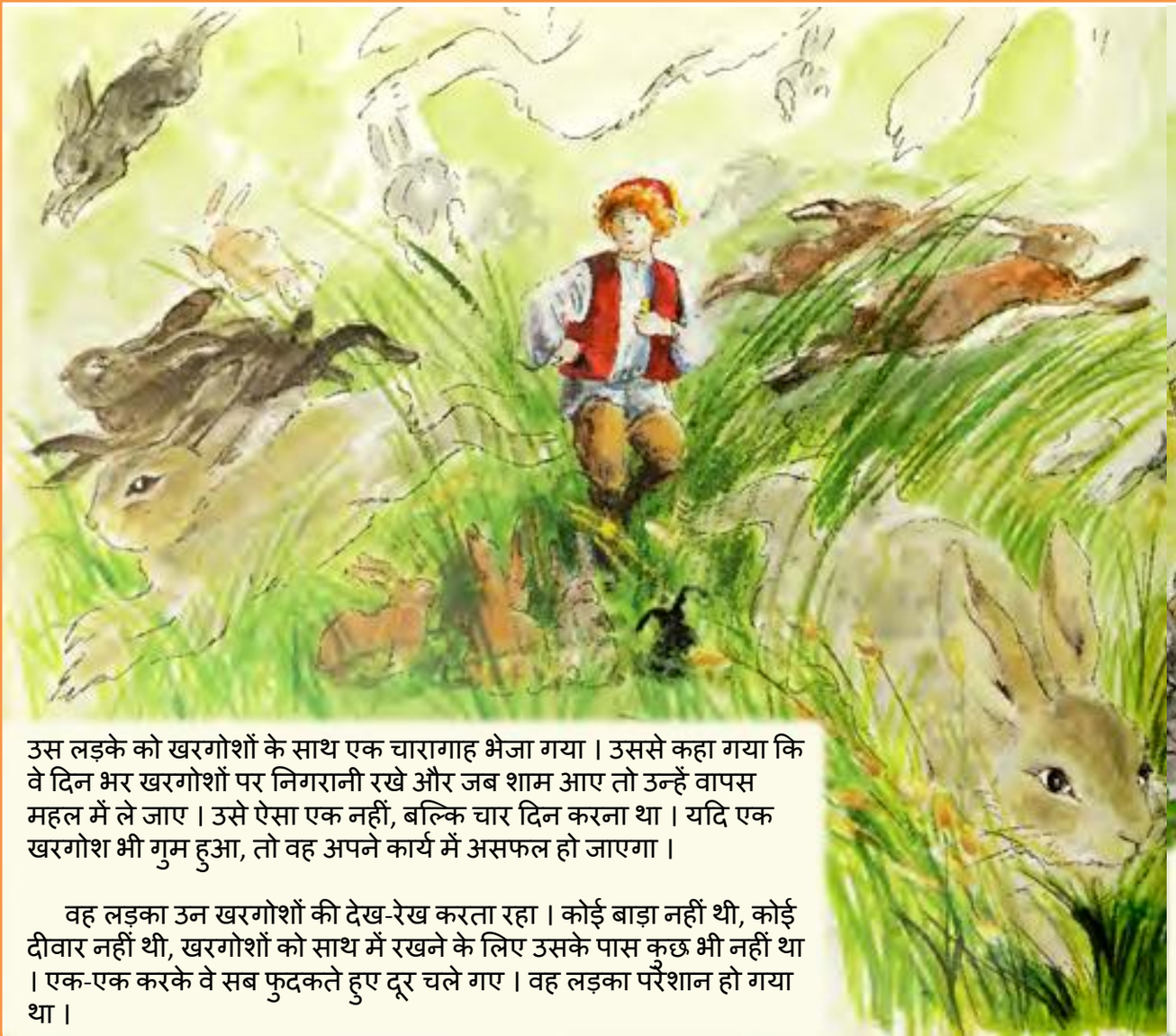

उस लड़के को खरगोशों के साथ एक चारागाह भेजा गया । उससे कहा गया कि वे दिन भर खरगोशों पर निगरानी रखे और जब शाम आए तो उन्हें वापस महल में ले जाए । उसे ऐसा एक नहीं, बल्कि चार दिन करना था । यदि एक खरगोश भी गुम हुआ, तो वह अपने कार्य में असफल हो जाएगा ।

वह लड़का उन खरगोशों की देख-रेख करता रहा । कोई बाड़ा नहीं थी, कोई दीवार नहीं थी, खरगोशों को साथ में रखने के लिए उसके पास कुछ भी नहीं था । एक-एक करके वे सब फुदकते हुए दूर चले गए । वह लड़का परेशान हो गया था ।

लेकिन, दोपहर बाद, उसे वह सीटी याद आयी । उसने वह सीटी बजाई और कामना की, और सभी एक सौ खरगोश राज्य के चारों कोनों से दौड़ कर आ गए ! वह सब एक पंक्ति में खड़े हो गए, फिर सलाम किया, और सभी अपने सेनापति (वह छोटा भाई) के पीछे फौजियों की तरह कदमताल करते हुए महल के द्वार की ओर बढ़ते हैं ।

राजा को अपनी आँखों पर विश्वास नहीं हो रहा था । उसने सभी से पूछा कि कोई बता सकता है कुछ, "उसने यह कैसे किया ?"
चारागाह में काम करने वाले एक माली ने राजा को चांदी की सीटी के बारे में बताया, और फिर राजा ने इस सीटी को प्राप्त करने की ठानी ।

दूसरे दिन, अपनी बेटी को बिना कोई वजह बताए, राजा ने उसको सोने के सिक्कों की एक बोरी के साथ चारागाह में भेज दिया और अपने लिए उस सीटी को माँगने, चोरी करने या खरीदने के निर्देश दिए । जब उस लड़के ने राजकुमारी को आते देखा, तो वह सोचने लगा कि राजा उसके सामने कौन सी नई बाधा डाल रहा है । हालाँकि वह गरीब जरूर था और मैले कपड़े पहने हुआ भी था , फिर भी उसने कई बातें समझ लीं, और वह जानता था कि राजा उसके असफल होने की कामना कर रहा है ।

जब राजकुमारी ने उसकी सीटी खरीदने की पेशकश की, तो लड़के ने कहा, "निश्चित रूप से, राजकुमारी । मेरी सीटी की कीमत एक सौ सोने के सिक्के और एक सौ चुंबन है । "

राजकुमारी ने बिना किसी हिचकिचाहट के एक सौ सोने के सिक्के सौंपे । परंतु ... उसने पहले कभी भी किसी युवक को नहीं चूमा था । उसने उस लड़के की आँखों में देखा ...और उसने जो देखा उसे पसंद आया । फिर उसने अपना चेहरा आगे किया, अपने होंठ सिकोड़े और उस लड़के को एक सौ बार चूम लिया ।

लड़के ने राजकुमारी को सीटी सौंप दी, वह इसके साथ महल में लौट आई, और उसने इसे अपने पिता को दे दिया ।

उस दोपहर बाद, जब वह तैयार था, लड़के ने तीन बार अपने हाथों से ताली बजाई और सीटी उसकी जेब में वापस आ गई । उसने वह सीटी बजाई और कामना की, और सभी एक सौ खरगोश राज्य के चारों कोनों से दौड़ कर आ गए ! वह सब एक पंक्ति में खड़े हो गए, फिर सलाम किया, और सभी अपने सेनापति के पीछे फौजियों की तरह कदमताल करते हुए महल के द्वार की ओर बढ़ते हैं ।

राजा क्रोधित हो गया ! तीसरे दिन, उसने रानी को सोने के सिक्कों की दो बोरियों के साथ चारागाह में भेज दिया और अपने लिए उस सीटी को माँगने, चोरी करने या खरीदने के निर्देश दिए । जब लड़के ने रानी को आते देखा, तो उसने कहा, "यह सब मुझे बहलाने के लिए हो रहा है ... " और जब रानी ने सीटी खरीदने की पेशकश की, तो उसने कहा, "निश्चित रूप से, महारानी, आप मेरी सीटी खरीद सकती हैं । इसकी कीमत आज दो सौ सोने के सिक्के और दो सौ चुंबन है । "

रानी एक मितव्ययी महिला थी । न चाहते हुए भी उसने दो सौ सोने के सिक्के उस लड़के को सौंप दिए । लेकिन रानी अपने वैवाहिक जीवन में अकेलेपन से उदास भी थी । राजा राज्य पर शासन करने में इतना व्यस्त था कि उसने अपनी पत्नी पर कम ध्यान दिया...और इसलिए रानी को दो सौ चुंबन का विचार पसंद आया । वह आगे बढ़ी, उस लड़के की बांहों में लिपटी, अपने होंठ सिकोड़े और उसे दो सौ बार चूम लिया ।

लड़के ने रानी को सीटी सौंप दी, वह इसके साथ महल में लौट आई, और उसने इसे अपने राजा को दे दिया ।

उस दोपहर बाद, जब वह तैयार था, लड़के ने तीन बार अपने हाथों से ताली बजाई और सीटी उसकी जेब में वापस आ गई । उसने वह सीटी बजाई और कामना की, और सभी एक सौ खरगोश राज्य के चारों कोनों से दौड़ कर आ गए ! वह सब एक पंक्ति में खड़े हो गए, फिर सलाम किया, और सभी अपने सेनापति के पीछे फौजियों की तरह कदमताल करते हुए महल के द्वार की ओर बढ़ते हैं ।

राजा खुद पर ही क्रोधित हो रहा था । "मैं देख सकता हूँ," उसने कहा, "अगर मुझे यह काम ठीक से करना है, तो मुझे इसे स्वयं करना होगा ! "

इसलिए चौथे दिन की सुबह, राजा खुद सोने के सिक्कों से भरे संदूक के साथ अपने घोड़े पर चारागाह जाने के लिए निकला। जब लड़के ने राजा को आते हुए देखा, तो वह मुस्कुराया। और जब राजा ने सीटी माँगी तो लड़के ने उत्तर दिया, "निश्चित रूप से, महामहिम, आप मेरी सीटी खरीद सकते हैं। आज इसकी कीमत है... मुझे देखने दो... तीन सौ सोने के सिक्के...और...आप...आपको अपने घोड़े के पिछवाड़े को चूमना होगा। "

राजा उग्रतापूर्वक घोड़े पर से उतरा। उसने घोड़े की काठी पर रखे सोने के संदूक को उठाया और उसे लड़के के पैरों में फेंक दिया। फिर वह अपने घोड़े के दूसरे छोर पर चला गया। अपनी जेब से उसने अपना शाही रूमाल निकाला। उसने इसे ध्यान से खोला और इसे अपने चेहरे के आगे रखा ताकि उसका शाही रूमाल उसके शाही होंठ और उसके घोड़े के शाही पिछवाड़े के बीच आ जाए। उसने अपने होंठ सिकोड़े और आगे झुक गया, लेकिन.....

"अहाँ," लड़के ने गला साफ़ करते हुए आवाज़ की ।
"हाँ ?" राजा ने तिरस्कारपूर्वक कहा ।
"नहीं," लड़के ने कहा ।
"क्या नहीं ?" राजा ने पूछा ।
"कोई रूमाल नहीं," लड़के ने कहा ।
"सच में ?" राजा ने पूछा, उसकी आँखें आश्चर्य से चौड़ी हो गयी ।
"हाँ सच में," लड़के ने कहा ।
राजा ने लड़के की ओर देखा और अपना रूमाल जमीन पर फेंक दिया । यह सुनिश्चित करने के बाद कि कोई भी उसे चारों ओर से नहीं देख रहा है , उसने अपने घोड़े के पिछवाड़े को झट से चूम लिया ।

"अब मुझे वह सीटी दो," राजा ने कहा ।
लड़के ने राजा को सीटी सौंप दी, और राजा महल में लौट आया ।

उस दोपहर बाद, जब वह तैयार था, लड़के ने तीन बार अपने हाथों से ताली बजाई और सीटी उसकी जेब में वापस आ गई । उसने वह सीटी बजाई और कामना की, और सभी एक सौ खरगोश राज्य के चारों कोनों से दौड़ कर आ गए ! वह सब एक पंक्ति में खड़े हो गए, फिर सलाम किया, और सभी अपने सेनापति के पीछे फौजियों की तरह कदमताल करते हुए महल के द्वार की ओर बढ़ते हैं ।

राजकुमारी, रानी, राजा और शाही दार्शनिक द्वारा महल के द्वार पर लड़के का स्वागत किया गया । शाही दार्शनिक राज्य का सबसे बुद्धिमान व्यक्ति था । राजा ने शाही दार्शनिक से कहा, "तुम उसे बताओ ! ''

शाही दार्शनिक ने कहा, "राजा अपने वचनों का पक्का है: तुम राजकुमारी से शादी करोगे । लेकिन सबसे पहले, एक और कार्य है जो तुम्हें अपने आप को योग्य साबित करने के लिए पूरा करना होगा ।" उसने एक शीशे जैसी साफ बाल्टी को पकड़ कर कहा," तुम्हें इस बाल्टी को सच्चाई की बूंदों से भरना होगा । "

लड़के ने बाल्टी को देखा और बहुत देर तक सोचा । "ठीक है," उसने कहा ।
"अगर यही सच आप चाहते हैं, तो यही सच आपको मिलेगा ।"
वह राजकुमारी के पास गया, उसकी आँखों में देखा, मुस्कराया, और कहा, "
क्या यह सच है, राजकुमारी, कि मैंने तुम्हें एक सौ बार चूमा था ? "
राजकुमारी ने लड़के को देखा और खुश होते हुए जवाब दिया, "हाँ, यह सच है ।"
"क्या ?" राजा ने चौंकते हुए पूछा ।

"क्या आपके लिए इतना सच काफी है ?" लड़के ने पूछा ।
"हरगिज नहीं !" राजा ने उत्तर दिया । "बाल्टी को देखो । यह अभी भी काफी खाली पड़ी है ।"
"ठीक है, फिर," लड़के ने कहा, और वह रानी के पास गया । "क्या यह सच है, हमारी महारानी, कि आपने मुझे दो सौ बार चूमा था ? "
"हाँ," रानी ने फुसफुसाया, "यह सच है ।"
"क्या ?" राजा चिल्लाया ।
"क्या आपके लिए इतना सच काफी है ?" लड़के ने पूछा।
"हाँ, मुझे लगता है कि इतना सच एक दिन के लिए काफी है," रानी ने चिंतित होकर कहा ।
"बिल्कुल नहीं !" राजा ने कहा । "मुझे रानी के बारे में और बताओ । मैं जानने के लिए उत्सुक हूँ ।"
लेकिन इसके बजाय लड़के ने राजा की ओर कदम बढ़ाया । "क्या यह सच है, महामहिम," उसने कहा, " मुझ जैसे एक गरीब, राज्य के जर्जर लड़के ने, आप जैसे, सभी लोकों के राजा को, चूमने के लिए मजबूर कर दिया अपने घोड़े के पिछ...."

"चमत्कार हो गया !" राजा ज़ोर से चिल्लाया ।
" देखो ! बाल्टी को देखो ! बाल्टी सच्चाई से पूरी भर गई है और उसकी बूंदे फर्श पर गिरने लगी हैं ! लड़के, अब कुछ भी न कहो । शादी की तैयारियां शुरू हों !!! "

और फिर, उस सबसे छोटे भाई और राजकुमारी की मई के महीने में शादी हो गयी और वे दोनों खुशी से रहने लगे ।

समाप्त